	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर **Indian Institute of Technology Bhubaneswar**

Press Release

आईआईटी भुवनेश्वर में मातृभाषा दिवस

भुवनेश्वर, 22 फरवरी 2025: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने 21 फरवरी 2025 को मातृभाषा दिवस भव्य तरीके से मनाया। मुख्य अतिथि और ओडिशा के प्रख्यात साहित्यकार दाश बेनहुर (श्री जितेनरा नारायण दाश) का संबोधन कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था। यह कार्यक्रम यूनेस्को घोषणा के अनुसार विश्वव्यापी उत्सव के अनुरूप, भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के बारे में जागरूकता बढ़ाने और बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया था। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का 25वां वर्ष "भाषा मायने रखता है" थीम के साथ मनाया जा रहा है।

इस अवसर पर बोलते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर ने इस बात पर जोर दिया कि मातृ भाषा हृदय की भाषा है। “भाषा केवल संचार का साधन नहीं है; यह हमारी संस्कृति, इतिहास और पहचान का भंडार है। हमें अपनी मातृभाषा के साथ-साथ सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए।" उन्होंने यह भी बताया कि आईआईटी भुवनेश्वर ने भाषाई विविधता को बढ़ावा देने के लिए पीएचडी विद्वानों के लिए अंग्रेजी के अलावा किसी एक भारतीय भाषा में अपने पीएचडी थीसिस का सारांश प्रस्तुत करने की प्रथा बनाई है।

मुख्य अतिथि दाश बेनहुर ने अपने संबोधन में कहा, “भाषा संस्कृति के साथ बढ़ती है। किसी भी भाषा का प्रत्येक शब्द एक सांस्कृतिक तत्व है, जो बदले में मानव संस्कृति को मजबूत करता है। भारतीय संस्कृति भाषाई विविधता का प्रतिबिंब है, जिसने सांस्कृतिक विकास और भावनात्मक भागफल के मामले में भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में समृद्ध किया है। किसी के व्यक्तित्व के विकास के लिए मातृभाषा महत्वपूर्ण है।” उन्होंने आगे जोर देकर कहा, "हमारे देश के भाषाई खजाने के विकास को बढ़ाने के लिए, हमें समय के साथ परिवर्तनों को स्वीकार करना और अनुकूलित करना चाहिए।"

संस्थान के रजिस्ट्रार श्री बामदेव आचार्य ने भी मातृभूमि और मातृभाषा के महत्व पर बात करते हुए इसे भारतीय ज्ञान प्रणाली के महत्व के साथ जोड़ा। उन्होंने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, आईआईटी भुवनेश्वर के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, निवासियों और छात्रों ने अपनी-अपनी मातृभाषाओं में गीत प्रस्तुत किए और कविता पाठ किया, जिससे उत्सव जीवंत हो गया।